कक्षा - पाँचवीं
विषय - हिंदी

पाठ - 1
वह शक्ति हमें दो

सरलार्थ

1. वह शक्ति हमें .... बना जाएँ।
⇒ इस कविता में कवि भगवान से कर्तव्य मार्ग पर चलने की शक्ति माँग रहे हैं। कवि कहते हैं कि हे भगवान हमें इतनी शक्ति दीजिए कि हम दूसरों की सेवा तथा उपकार से अपना जीवन सफल बनाएँ।

2. हम दीन-हीन .... तर जाएँ।
⇒ इस कविता में कवि भगवान से कर्तव्य मार्ग पर चलने की शक्ति माँग रहे हैं। कवि कहते हैं कि हे भगवान हमें इतनी शक्ति दीजिए कि हम कमज़ोरों तथा विकलांगों के सेवक बनकर उनके कष्टों को दूर करें। भूले-भटकों को सही राह दिखाकर उनका और अपना जीवन सफल बनाएँ।

3. छल, दंभ, द्वेष, ... रस बरसाएँ।
⇒ इस कविता में कवि भगवान से कर्तव्य मार्ग पर चलने की शक्ति माँग रहे हैं। कवि कहते हैं कि हे भगवान हमें इतनी शक्ति दीजिए कि हम धोखा, घमंड, ईर्ष्या, झूठ, अन्याय आदि अवगुणों से दूर हटकर अपने जीवन को पवित्र और सरल बनाकर इस संसार में प्रेम की भावना भरें।

4. निज आन-बान, ... हो जाएँ।
⇒ इस कविता में कवि भगवान से कर्तव्य मार्ग

Date
Page No.

पर चलने की शक्ति माँग रहे हैं। कवि कहते हैं कि हे भगवान हमें इतनी शक्ति दीजिए कि हम अपने मान-सम्मान और मर्यादा को अपना अभिमान बनाकर ईश्वर का ध्यान करें जिस देश और जाति में जन्म लिया है। उस पर बलिदान होने की कामना करते हैं।

प्र०/उ०

प्र० 1. जीवन को सफल बनाने के लिए क्या करना होगा?

उ० → जीवन को सफल बनाने लिए हमें अपने कर्तव्य का पालन करना होगा।

प्र० 2. कवि किन दुर्गुणों से दूर रहना चाहते हैं?

उ० → कवि छल, दंभ, द्वेष, पाखंड- झूठ, अन्याय आदि दुर्गुणों से दूर रहना चाहते हैं।

प्र० 3. दीन-दुखियों के कष्टों को कैसे दूर किया जा सकता है?

उ० → दीन- दुखियों के कष्टों को उनका सेवक बनकर दूर किया जा सकता है।

प्र० 4. कवि किन बातों का ध्यान रखना चाहते हैं?

उ० → कवि आन- बान तथा मर्यादा का ध्यान रखना चाहते हैं।

प्र० 5. प्रार्थना का संदेश लिखो।

उ० → मनुष्य में दया, ममता, परोपकार, अहिंसा, सहयोग जैसे गुणों का निर्माण तथा विकास करना है।

कक्षा- पाँचवीं
विषय- हिंदी व्याकरण

Page No.

पाठ - 1
भाषा और व्याकरण

प्र०/उ०

प्र०1 भाषा किसे कहते हैं?
उ०→ बोलकर या लिखकर अपने विचारों को प्रकट करने का साधन भाषा कहलाता है।

प्र०2 भाषा के कितने रूप हैं? नाम लिखो।
उ०→ भाषा के दो रूप हैं।
1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा
1. मौखिक भाषा → बोलकर प्रकट करने वाली भाषा मौखिक भाषा कहलाती है।
2. लिखित भाषा → लिखकर प्रकट करने वाली भाषा, लिखित भाषा कहलाती है।

प्र०3 लिपि किसे कहते हैं? हिंदी की लिपि क्या है?
उ०→ भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है। हिंदी की लिपि देवनागरी है।

प्र०4 मातृभाषा किसे कहते है?
उ०→ जो भाषा बच्चा अपने परिवार से सीखता है, उसे मातृभाषा कहते हैं।

प्र०5 व्याकरण किसे कहते हैं?
उ०→ व्याकरण वह साधन है जो किसी भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना व लिखना सिखाता है।